

अंडर-19 विश्व कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चार भारतीयों ने बनाई जगह

वही दिल्ली। अंडर-19 विश्व कप का 15वां संकरण साउथ अफ्रीका में संपन्न हुआ, जिसके पाइलान में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हटाकर चौथी बार खिताब जीता।

1. हैरी दिवसन (ऑस्ट्रेलिया)

मैच 7, नं 309, औसत 44.14, स्ट्राइक रेट 81.31

दिवसन टूर्नामेंट में स्थापित कर बनाए वाले बल्लेबाज हैं लोकें इनके नाम एक भी शाक नहीं था।

2. लुहान-ड्विप्रियरियस (साउथ अफ्रीका)

मैच 6, नं 287, औसत 57.40, स्ट्राइक रेट 94.09

साउथ अफ्रीका के सानोंनी बल्लेबाज पिटोरियस ने लगातार तीन अर्धशतक लगाए।

3. हूज विवंग (कानान) (ऑस्ट्रेलिया)

मैच 7, नं 304, औसत 50.66, स्ट्राइक रेट 83.28

ऑस्ट्रेलिया के कानान ने डॉल्टैके द्विलाड टूर्नामेंट का सबसे मुश्किल शतक लगाया।

4. उदय सहरन (भारत)

मैच 7, नं 397, औसत 56.71, स्ट्राइक रेट 77.69

भारतीय कमान टूर्नामेंट में स्थापित कर बनाए वाले बल्लेबाज हैं उदय सहरन (भारत)

5. मुमीन खान (भारत)

मैच 7, नं 360, औसत 60.00, स्ट्राइक रेट 98.09, विकेट 7, औसत 26.57, इकॉनी 3.63

मुमीन टूर्नामेंट में दो शतक लगाए वाले एकमात्र बल्लेबाज थे। उदय सहरन और बल्ले से योगालन दिया।

6. सचिन धन्द (भारत)

मैच 7, नं 303, औसत 60.60, स्ट्राइक रेट 116.53

बल्ले में शात रहना और अच्छी गेंदों को भी बांटनी पहुंचाना धन्द की सबसे बड़ी रसायनिक है।

7. जेवेल ऐंड्रेड (वेस्टइंडीज) (विकेटकीपर)

मैच 5, नं 207, औसत 69.00, स्ट्राइक रेट 109.52

पैट्रिकोना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम को अकेले मैट्रिजियां।

8. वरेना माफाका (साउथ अफ्रीका)

मैच 7, विकेट 21, औसत 9.71, इकॉनी 3.81

बाहर हाथ के तेज बल्लेबाज ने टूर्नामेंट में तीन बार पांच विकेटों पर इनपर इनपर इनपर इनपर दरहाए।

9. उदवेद शाह (पाकिस्तान)

मैच 6, विकेट 18, औसत 12.38, इकॉनी 4.12

शाह ने पाकिस्तान की तरफ से लाभगत हर मैच में महत्वपूर्ण विकेट घटकाए और टीम को लाभगत अकेले ही सेमीफाइनल में पहुंचाया।

10. कैलम वाइटलर (ऑस्ट्रेलिया)

मैच 6, विकेट 14, औसत 11.71, इकॉनी 3.79

वाइटलर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घटकाए और बड़े गेंद से बड़े मैचों में विकेट निकाला।

11. सौर्य पांच (भारत)

मैच 7, विकेट 18, औसत 10.27, इकॉनी 2.68

सौर्य ने टूर्नामेंट में तीन बार 4-विकेट हॉल लिया और अपनी फिरोजी से सबको छक्का।

एटीपी एकल रैंकिंग में नागल 23 पायदान की छलांग से शीर्ष 100 में शामिल

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने सोमवार को 23 पायदान की छलांग लगाकर अपने करियर में पहली बार एटीपी एकल रैंकिंग के शीर्ष 100 में प्रवेश किया। खिलाड़ी को चेन्नई आनंद चैलेजर में मिली जीत से नागल ताजा जारी एकल रैंकिंग में 98वें स्थान पर पहुंच गए, जिसमें शीर्ष पर सर्वांगीन में 98वें स्थान पर अपने करियर के शीर्ष 100 में प्रवेश किया है। उद्दीपने पहले दौर में इनिया के 27वें नंबर के काजाखस्तान के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर में चैन चैलेजर के एनेंडेंड बुलिक का हारकर उलटफेर किया था, हालांकि दूसरे दौर में वह चीन के जुनियोर शांग से हर गए थे। 2019 में बायो हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद नागल शीर्ष 100 में जगह बनाए वाले पहले भारतीय थे। उद्दीपने पहले दौर म

गोशाल गांव के पार्थ के एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में हुआ चयन



जिला कुल्लू के बंजार उपमंडल की चौनैन पर्यावरण के पार्थ ने इंटरनेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल कर देश, प्रदेश व जिला में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अंतर-14 वर्ग की थर्ड बबको इंडिया ओपन इंटरनेशनल की बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए जाखब इंडियर स्टेडियम न्यू दिल्ली में परिजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, अब पार्थ का चयन ईरान में होने वाली एशियन चैम्पियनशिप के लिए हुआ है। पार्थ ने बायाया कि वह बेहद खुश है कि चौनैन पर्यावरण से संबंध रखने वाले पर रहे हैं और अब ईरान में होने वाली एशियन चैम्पियनशिप के लिए चयनित हुए हैं। उन्होंने इस कामयाकी का ब्रेव अपने माता-पिता व किंव बॉक्सिंग के कोच इंडिया के महासचिव हंस राज शर्मा को दिया है।

</div



कर्मण्येवाधिकारस्ते मा
फलेषु कदाच। मा
कपफलेहेतुभूम्या ते
सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

भावार्थ : गीता के इस श्लोक में फलहरित कर्म की प्रधानता पर बल दिया गया है। यदि आप सफलता चाहते हैं तो कर्म पर ध्यान दें, तभी आप अपनी पूरी शक्ति से जिन भटकाव के कर्म को पूर्ण कर पाएंगे।

सृष्टि रचना का दिन वसंत पंचमी



माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। भारत में छह ऋतुओं का मूल्य रूप से मनाया जाता है। पतञ्जल ऋतु के बाद वसंत ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगे फूल लिले दिखाई देते हैं। इस दिन विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्मांड के रचयिता ब्रह्मा ने सरस्वती की रचना की थी, इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है। वसंत पंचमी को विद्याधिकारी के लिए विद्या आरंभ का मुहूर्त बहुत ही श्रेष्ठ मुहूर्त होता है, जिन व्यक्तियों को गृह प्रवेश के लिए कोई विशेष मूल रूप से मिल रहा हो वह इस दिन गृह प्रवेश कर सकते हैं। कोई व्यक्ति अपने नए व्यवसाय को आरंभ करने के लिए शुभ मुहूर्त को तलाश रहा हो तब वह वसंत पंचमी के दिन अपना नया व्यवसाय आरंभ कर सकता है। वसंत पंचमी के दिन पीले रंग के पकवान बनाए जाते हैं। वसंत ऋतु में चारों ओर अधिकतर पीले फूल दिखाई देते हैं।

वसंत पंचमी की कथा और सरस्वती पूजन

प्राचीन कथाओं के अनुसार, ब्रह्माजी ने विष्णुजी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह अपनी बनाई हुई सृष्टि को देखने के लिए धर्मण करने के लिए आए ब्रह्माजी जी को अपनी बनाई सृष्टि में कुछ कर्मी का कर्मी का अहंकार करने के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वान् को बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्माजी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी भगवती को वरदान देते हुए कहा कि तुम्हारे द्वारा समाज का कल्याण होगा, इसलिए समाज में रहने वाले लोग तुम्हारा पूजन करेंगे, इसलिए प्राचीन काल से वसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

जल छिड़कने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे, एक हाथ में बीजाणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में

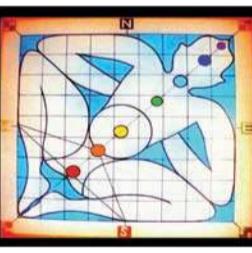
माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्माजी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कर्म में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वान् को बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्माजी जी को अपनी विद्वान् को बल पर समाज में निवास करने के लिए शुभ मुहूर्त होता है। जिन व्यक्तियों को गृह प्रवेश कर सकते हैं। कोई व्यक्ति अपने नए व्यवसाय को आरंभ करने के लिए शुभ मुहूर्त को तलाश रहा हो तब वह वसंत पंचमी के दिन पीले रंग के पकवान बनाए जाते हैं। वसंत ऋतु में चारों ओर अधिकतर पीले फूल दिखाई देते हैं।



गुलबहार का शकुन

गुलबहार का फूल प्रेम का प्रतीक माना जाता है विशेषकर युवतियों के लिए। वैसे इसका फूल शकुन और अपशकुन दोनों का प्रतीक है। एक धारणा के अनुसार युवतियों इसके फूल की एक-एक पंखुड़ी तोड़ती जाती हैं और दोहराती जाती हैं कि वह मुझसे प्रेम करता है या नहीं करता। जिस बात पर फूल की अंतिम पंखुड़ी टूटकर गिरती है उसी बात को युवती

सच मान लेती है। वह ऐसा इसलिए करती है कि उन्हें पता चल जाए कि उनका प्रेमी सच्चा है या झूठा। समान्यतः बाग का माली इन फूलों को बेकर के फूल मानता है, लेकिन एक अन्य धारणा के अनुसार वह फूल हमें आने वाले अच्छे-बुरे मौसम का संकेत देते हैं। यदि फूल खिला रहे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम खुशगवार रहेगा और यदि इसकी पंखुड़ियां बंद होने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम खराब आने वाला है।



वास्तुदोष दूर करने के उपाय

घर की सफाई करें घर की साफ-सफाई का ध्यान रखें और यह सुनिश्चित करें कि घर का हर एक कोना सफ हो और वहाँ गंदी न फैली हो।

रंगों का किचन: घर के उत्तर-पूर्व दिशा में किचन होने से स्वास्थ्य रहती है। वहाँ, दक्षिण-पूर्व में स्थित किचन अधिक दिक्कतों का कारण बनता है।

बेडरूप: घर के बेडरूप में वास्तु दोष होने पर व्यक्ति को नींद न आने की समस्या होने लगती है और व्यक्ति भावनात्मक रूप से कमज़ोर महसूस करता है।

घर के केंद्र का संतुलन: घर के केंद्र हिस्से में असंतुलन होने पर वास्तु दोष लगता है और घर में अक्सर लड़ाई-झगड़ा का माहौल रहता है।

घर के गुम्बद का संतुलन: घर के गुम्बद को अंतर करने से वास्तु दोष लगता है और घर के गुम्बद का संतुलन करने से वास्तु दोष लगता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में वास्तु दोष: घर के उत्तर-

पूर्व कोंन में गंदी और फैली हुई चीज़ों वाले दोष का कारण बनती है, जिससे व्यक्ति को

अधिक तंगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर